

हेतु सत्रम चाटा गया। पत्रावली जतिम  
कृष्णर दिया जाकर वास्ते बहक दिनांक  
२९.११.१७ को पेश हो।

२९/११/१७

अभि. अक्षीलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल वास्ते बहस  
दिनांक २६/१२/१७ को पेश हो।

२६/१२

२६/१२/१७

अभि. अक्षीलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल वास्ते बहस  
दिनांक २५/०१/१८ को पेश हो।

२५/०१/१८

अभि. अक्षीलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल वास्ते बहस  
दिनांक १५/०२/१८ को पेश हो।

१५-०२-१८

१५/२/१८

अभि. अक्षीलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक १५/३/१८ को पेश हो।

१५-०३-१८

१५/३/१८

अभि. अक्षीलान्त/रेसों उपस्थित  
पूर्व आदेश की पालना होकर मिसल  
दिनांक ३/५/१८ को पेश हो।

०३/५/१८

पत्रावली धरुत हुई। कर्षिपत्रा कपीलायी उपाक्षित  
नही हुये। उन्हे बार-बार लगातार हावाले  
लगावरी गयी, लेकिन वे अनुपाक्षित ही रहे।  
कपीलायीयां स्वयं भी अनुपाक्षित रही।  
कतः कपीला कपीलायीयां कडम पैरवी व  
कडम हावरी से रणारित ही जाती हैं। तदनुसार  
पत्रावली केसल धरुतार होकर बात तबमील  
कारणल दक्तर हो।